INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: IX	Department: **Hindi**	Date of submission: NA
Question Bank: 8	Topic: हामिद खाँ	Note: Pl. file in portfolio

प्रश्न 1. लेखक का परिचय हामिद खाँ से किन परिस्थितियों में हुआ ?

उत्तर – लेखक का परिचय हामिद खाँ से तब हुआ जब वह गर्मियों में तक्षशिला के खंडहर देखने गया था । गर्मी के कारण लेखक का भूख-प्यास से बुरा हाल था । भोजन की तलाश में वह रेलवे स्टेशन से आगे बसे गाँव की ओर चल दिया । वहाँ तंग और गंदी गलियों से भरा बाज़ार था, खाने-पीने का कोई होटल दिखाई नहीं दे रहा था ।लेखक भूख-प्यास से परेशान था। तभी उसे रोटियाँ सेंकने की सोंधी महक आई । वहाँ हामिद खाँ रोटियाँ सेंक रहा था । लेखक भोजन करने उस होटल में चला गया । वहीं उसका परिचय हामिद खाँ से हुआ ।

प्रश्न 2. 'काश मैं आपके मुल्क में आ कर यह सब अपनी आँखों से देख सकता' - हामिद खाँ ने ऐसा क्यों कहाँ ?

उत्तर - हामिद खाँ को ज्ञात हुआ कि लेखक हिंदू है तो उसने पूछा कि क्या वह मुसलमानी होटल में खाना खाएँगे ? तब लेखक ने उसे बताया कि हमारे यहाँ हिंदू - मुसलमान में कोई भेद नहीं है । सब प्यार से रहते हैं । स्वादिष्ट पुलाव खाना हो तो हम मुसलमानी होटल में ही जाते हैं । वहाँ दंगे नहीं के बराबर होते हैं । हामिद खाँ को पूर्ण विश्वास नहीं हो पा रहा था । क्योंकि उसके यहाँ ऐसा नहीं था । वह दिल से चाहता था कि दोनों धर्मों के लोग परस्पर प्रेमपूर्वक रहें । वह यह सब अपनी आँखों से देखना चाहता था । इसलिए उसने उपर्युक्त कथन कहा ।

प्रश्न 3. हामिद खाँ को लेखक की किन बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था ?

उत्तर - हामिद खाँ को लेखक की निम्नलिखित बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था --

{क} कोई हिंदू-मुसलमानी होटल में खाना खा सकता है ।

{ख} भारत में हिंदू-मुसलमान मिल - जुल कर रहते हैं ।

{ग} भारत में लोग बेखटके मुसलमानी होटल में चाय पीते हैं या बढ़िया पुलाव खाते हैं ।

प्रश्न 4. हामिद खाँ ने खाने का पैसा लेने से इंकार क्यों किया ?

उत्तर - हामिद खाँ लेखक को अपना मेहमान मानने लगा । मेहमान से पैसा लेना उसे उचित नहीं लगा । उसे गर्व महसूस हुआ कि एक हिंदू ने उसके होटल में खाना खाया । वह लेखक की बातों से बहुत प्रभावित हुआ । लेखक के प्रेम और भाईचारे का उस पर बहुत गहरा असर हुआ । इसलिए उसने भोजन के पैसे लेने से आदरपूर्वक मना कर दिया ।

प्रश्न 5. मालाबार में हिंदू-मुसलमानों के परस्पर संबंधों को अपने शब्दों में लिखिए ।

उत्तर- मालाबार में हिंदू-मुसलमानों में कोई भेदभाव नहीं । सब प्रेम से परस्पर मिल-जुल कर रहते हैं । बढ़िया चाय पीने और खाना खाने हिंदू, मुसलमानी होटल में जाते हैं । आपसी मेलजोल का माहौल है । मुसलमानों द्वारा भारत में स्थापित पहली मस्जिद भी उन्हीं {लेखक} के राज्य के 'कोडुंगल्लूर' नामक स्थान पर है ।

प्रश्न 6. तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक के मन में कौन-सा विचार कौंधा ? इससे लेखक के स्वभाव की किस विशेषता का परिचय मिलता है ?

उत्तर - लेखक ने तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़ी तो उसे हामिद खाँ की याद आई । उसका मन बेचैन हो उठा कि कहीं हामिद खाँ को कोई हानि न पहुँची हो । लेखक ने भगवान से विनती की कि हामिद खाँ और उसकी दुकान को कुछ न हुआ हो । इससे पता चलता है कि लेखक के मन में हिंदू-मुसलमान का कोई भेद नहीं है । वह आपसी भाईचारे और प्रेमभाव में विश्वास रखता है । इससे लेखक के उदारता, हमदर्दी, आपसी सौहार्द आदि मानवीय गुणों का परिचय मिलता है ।